

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or identifier, written vertically on the left side of the manuscript.

६४५८

श्रीगणेशायनमः श्रीनमः श्रीनमः

६४७

ARCHIVES

१ ॥

ॐ नमस्तेशाक्यसिंहाय धर्मचक्रप्रवर्तनेत्रेः
धातुकनगत्सर्वेशो वियसर्वदुर्गति ॥ १ ॥
ओं नमस्ते वज्रोस्मीय धर्मधातुस्वभातः ॥ सर्व
सत्त्वहिना धीयः आत्मनस्त्वप्रदेशक ॥ २ ॥
ॐ नमस्ते रत्नोस्मीय समं नानास्वभावनेत्रे धा
तुकस्थितं सर्वअभियेकं प्रदायक ॥ ३ ॥ ॐ न
मस्ते पद्मोस्मीय स्वभावप्रत्येबेक्षकः ॥ आस्ता

शयनिमत्वेषु धर्मा मृतप्रवक्षणां ॥ ४ ॥ ॐ
नमस्ते विश्वस्मीय स्वभावकतनुस्थितः वि
श्वकर्मकरो ह्येव सत्त्वानाहुः त्वशातयतः ॥
५ ॥ ॐ नमस्ते तेजोस्मीय त्रैधातुकनवभाये
जः ॥ सर्वमन्त्रव्यानेषु सत्त्वदृष्टा करिष्यति ॥
६ ॥ ॐ नमस्ते ध्वजस्मीय चित्तामणि ध्वजध
रः ॥ रानेन सर्वमत्त्वानां मर्धा मा परिपुरयेत् ॥

भचाषुसि ॥ ६ कर्णवीरस्वा ॥ लघुनि — ७ ॥
अजम्बा ॥ करषुसि — ८ तुयुसिनु नेषुमे ८
पंचगंध ॥ दानागा — १० चरुस्वा ॥ भाजंगा — ११
नाय ॥ नेषुम ॥ १२ सर्वव्यधि ॥ निर्यया
नामजुलोभेभः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
गंधवरा ॥ ११ वागमन्यापुभावत्यांसंगमेज
यतिर्य ॥ १२ अनंतनागशुमु — १२ ॥ गोक

गा ॥ १ द्वाफीस्वा ॥ गुज्यश्वरा ॥ २ धालपति
स्वा ॥ शंखमो ॥ ३ ॥ लायश्यायः ॥ राजनिथ
६ ॥ इताधिनाचा ॥ नाखाइवा ॥ ४ ॥ नस्वा
नागमुत्र ॥ ८ ॥ वागमन्याकेसावत्यांसंगमे
चिनामेनीतिर्य ॥ ९ ॥ वरुननागमुकु ॥ १० ॥ वा
गमन्यारत्नावत्यांसंगमेपुमरतिर्य ॥ १०
पुमोदनागधवरा ॥ १० ॥ वागमन्याचारुवत्या

संगमे सुरक्षिततिर्थ ॥ ११ ॥ महाप्रमोतिनाकेसा
वत्पाकसूमावत्पांसंगमे निरमलतिर्थ ॥ १२ ॥ अप
रादनागपीनवर्णा ॥ १३ ॥ केसावत्पासूवर्णावत्पा
संगमे नीधानतिर्थ ॥ १४ ॥ नंदोपनंदनागहतिवः
र्णा ॥ १५ ॥ केसावत्पापपानासिन्धासंगमे ज्ञानति
र्थ ॥ १६ ॥ वामुकिसंगमे सांतिनिर्थ ॥ १७ ॥ स्वमसिधि
नागशुक्ल ॥ १८ ॥ वागमत्पासनिरोहीत्यांसंगमे
सकरतिर्थ ॥ १९ ॥ संखपालनागरक्त ॥ २० ॥ वागम

त्पांसंजल्पांसंगमे राजतिर्थ ॥ २१ ॥ मूरुपना
गमिन ॥ २२ ॥ केसावत्पावीमलावत्पांसंगमे
मनोमतिर्थ ॥ २३ ॥ फलिकनागकर्प ॥ २४ ॥
पत्नीत्यादि ॥ अस्मिन्दिनदिपंगतअमृकनाम
धाय अस्मिन्वायुपुवाहनार्थगगगावायुवेगः
भुर्भुवस्वः ॥ पोलख ३ ॥ प्रयकेवागमत्पांसंगमे
पुनेतिर्थ ॥ २५ ॥ तक्षकनागराजान्त्र २५ ॥ वागः
मत्पांसार्दायत्पांकलधरं चरुणां पत्रिश्रुवाश
संगमे सांतिनिर्थ

अमोघप्र
दोषयनि

रिणां वह्निभ्यधरं नैऋत्यपतापधरं वायुः श्रुत्या
श्रुतसर्वान्देवासरादितमामृतकसम्यक् बोधिः
नीपमानमधिमुच्येत ॥ ॐ नमो भगवते स
र्वदृगतिपरिशोधनराजाय त्पादि ॥ x ॥ दानश्रु
त्यः श्रीमत् श्रीश्रीश्री त्पादि ॥ x ॥ श्रुत्य त्पादिः
ॐ मुने मुने महामुने स्वाहा ॥ ततो मत्तवाहकाः
स्थिलो कपालानधिमुच्यः ॥ छत्रधारकदेवरा
जं चामरयोहकं वज्रपाव ऊधरं विष्णुं नृतिपाथ

कशीकारः दोषाहि कं क्रियाकारणम् ॥

गो॥ पूरणतिर्थ॥ द्वाकोत्वां॥ सिनयालथल॥ दान॥
गु॥ शान्तिनिर्थ॥ धालेफूलिस्वां॥ नवग्रह॥ नवरत्न॥ दान॥
श॥ सकरतिर्थ॥ जीरवीस्वां॥ नुयूवस्व॥ प्राकिजाकि॥ दान॥
ए॥ राजतिर्थ॥ पलेस्वां॥ इनाथितोचा॥ अन्नदान॥
तो॥ मणेरथतिर्थ॥ चवस्वां॥ धिन्दपात्र॥ लूचकि॥ दान॥
भ॥ निर्मलतिर्थ॥ कनिद्रस्वा॥ पूजाजाकि॥ वरु॥
॥ चकि॥ कृसा॥ दान॥ ००० ००० ००० ॥ ६५

ल॥सूर्यानिधानतिर्थ॥ अजुस्वा॥ वोकिलुं॥ दानः॥
क॥ ज्ञानतिर्थ॥ जिफोस्वी॥ खाकिजाकि॥ वहचकि॥ दान
ने॥ चित्रामतिनिर्थ॥ पलेस्वा॥ पंचग्रहि॥ पंचरत्न॥ दान॥
रा॥ प्रमोउतिर्थ॥ उफोस्वी॥ खाकिजाकि॥ धौशंगवः॥ दान॥
भा॥ मूलक्षनतिर्थ॥ धवेस्वी॥ पंचरंगिवस्वधानुः॥ दानः॥
ने॥ जयतिर्थ॥ सर्वव्यधि॥ कुसा॥ लाकी॥ नुतां॥ वस्वः॥
॥ लिवोः॥ वसुजासनः॥ दानः॥ ६॥ ६॥ ६॥

ॐ नमः श्रीवज्रसत्वाय॥ आदौगुरुमराउल
वलिवियविर्मजन॥ थनखलालप्रेजोनकंहा
मकृशशंगवल यतस्यंवाक्य॥ अशुत्यादि॥ जः
थानेतथागतापूर्वबोधिसत्वचर्याचरद्भिभग
वनभिमातापितृपूर्वगमनेभ्यः सप्तपुरुषेभ्य
सप्तनिर्विभयथागोत्रेभ्यदिबंगनअमुकनाम
ध्यायवर्षदशावत्सलिकअमुकपिंगौउस्वधाः
थनकुसालप्रेकमलाय॥ लेखनहाय॥ ला

शानि नः थपू को पूनेल ॥ ॐ पत्राशे नमपेक्षा
मिस्वधा ॥ लोख नहाय ॥ ॐ न्यभूक्षे न चार्थपि
नपत्रेस्वधा ॥ अधिघानयाय ॥ ॐ वमुधलिः
पिनपत्रेस्वधा ॥ थन कलाल वहाय ॥ हाम
कशतस्यं लंखतस्यं वाक्य ॥ अयेयथानेत्पा
दि ॥ पिराउमपश्चामननहाय ॥ ॐ नमोभग
वने सर्वउर्गतिपरिशोधनराजाय नथागताः

ॐ अ न न वा ल रित न क क कौ न क प ज
म हा म छ स व पा ल कू लिक व रु या पा ल
दे व ति सो म सि बी द दू ध र अ श र ह र
ह ल न दो ज न द सा ग र म ॥ हा ला ग र
अ न व त पु मा हा न पु भो भो मा हा ना गा
धी प ते भ्यो अ र्धं प्रति दृ ह्वा हा ॥ ॥
ॐ सर २ तिरि २ कर २ प च २ ह र २ हा २
हि २ ह २ ॐ का र व ह्वा वे सः ध र २ धी रि २

[illegible][illegible]

Handwritten text on the right edge of the fragment, oriented vertically. It appears to be a list or a series of entries, possibly names or titles, written in a cursive script.

Handwritten text in a small rectangular box at the top right, possibly a date or a reference number.

647

Main body of handwritten text in a cursive script, likely a list or a series of entries. The text is written on a piece of aged, brown paper that is heavily damaged and torn. The script is dense and difficult to decipher due to the condition of the document.